कार्यालय– प्रान्त संयोजक (उ0 प्र0) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड–4, गोमती नगर, लखनऊ (उ. प्र.) 226010

पत्रांक– रा.सं.सं.ल.प. / अनौ.सं.शि. / 2013–2014 / कूट संख्या–उ.प्र.042 दिनांक–19.08.2013

सेवामें,

प्राचार्य
डी० ए० वी० पी० जी० कालेज
वाराणसी

विषय–अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र संचालन, सत्र 2013–2014

महोदय / महोदया,

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के पत्रांक–RSK.SIN.F.S.E/co-ordinator/2013-14 दिनांक–31/07/13 के अनुक्रम में, आपकी संस्था में शैक्षिक सत्र 2013–2014 में अगस्त–2013 से 1433 मार्च–2014 तक अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के दो त्रैमासिक चक्रों के प्रथम / द्वितीय / तृतीय दीक्षापाठ्यक्रम संचालन की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

शिक्षण के सन्दर्भ में अधोनिर्दिष्ट सूचनाएं ध्यातव्य हैं–

1. इस सत्र में प्रथम / द्वितीय / तृतीय दीक्षाओं का संचालन होना है। तृतीय दीक्षा में मुख्य रूप से संस्थान द्वारा प्रकाशित ''संक्षेप रामायण'' तथा आनुषांगिक रूप से ''विदुरनीतिशतक'' का पाठन होगा।
2. इस पत्र के साथ संलग्न प्रपत्रों में ही संस्थान, नई दिल्ली को विवरण भेजना है, न कि पूर्व प्रपत्रों में। 1. दिशा निर्देश, 2. केन्द्रोद्घाटन प्रतिवेदन, 3. नामाङ्कन पत्र, 4. प्रविष्ट छात्रों की सूची, 5. प्रमाणपत्र के लिए योग्य छात्रों की सूची, 6. पूर्व प्राप्ति पत्र, 7. केन्द्र समापन सूचना, 8. समापन विवरण, 9. अध्येताओं के परामर्शपत्र, 10. शिक्षक / संयोजक का परामर्श पत्र।
3. योग्य छात्रों को सीधे द्वितीय दीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। द्वितीय दीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को तृतीय दीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

4. एक स्थान पर पर्याप्त छात्र न मिलने पर दो स्थानों पर भी शिक्षण किया जा सकता है। परन्तु इसकी गणना एक केन्द्र के रूप में ही होगी तथा मानदेय भी एक केन्द्र का ही देय होगा।

5. पंजीकरण शुल्क प्रति छात्र 30/– रूपये है।

6. संस्थान मुख्यालय/लखनऊ परिसर में दीक्षा पुस्तकें उपलब्ध हैं। निर्धारित धनराशि जमा करके प्राप्त कर सकते हैं। प्रथम दीक्षा प्रति सेट रू.120/–, द्वितीय दीक्षा प्रति सेट रू.120/–, संक्षेप रामायण रू.90/–, विदुरनीतिशतक रू.78/–

7. संस्थान मुख्यालय को प्रेषित करने वाले प्रपत्रों में इस आदेश पत्र की प्रतिलिपि अवश्य भेजें। केन्द्र संचालन का समय भी निर्दिष्ट करें तथा केन्द्र प्रमुख का हस्ताक्षर एवं मुहरयुक्त अनापत्ति पत्र भी भेजें।

8. केन्द्र स्थान/शिक्षक/संयोजक का परिवर्तन प्रान्त संयोजक के माध्यम से भेजने पर ही उस पर संस्थान मुख्यालय में विचार होगा।

9. शिक्षक/संयोजक/केन्द्राध्यक्ष को संस्थान द्वारा प्रेषित संलग्न– अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के दिशा निर्देश भली भांति पढ़कर सभी कार्य करना चाहिए।

10. संस्थान को प्रेषित प्रपत्रों की प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें।

भवदीय

(डॉ0 धनीन्द्र कुमार झा)
प्रान्त संयोजक (उ0 प्र0)
मो0–9450501036

प्रतिलिपि–

1. संयोजक..... डा० लल्लन प्रसाद जायसवाल
इस आशय से कि कृपया आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

2. शिक्षकः श्रीशेषनारायण

(डॉ0 धनीन्द्र कुमार झा)